मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 54 अंक 3 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2018 बहाई वर्ष : 174–175

विश्व न्याय मन्दिर

सतत् विकास के साथ, अर्थपूर्ण वार्तालाप की बढ़ती क्षमता संस्थाओं की योजनाओं में उपयोग में लाई जाती है। जब तक गतिविधि के चक्र औपचारिक रूप से प्रकट होते हैं, यह क्षमता विस्तार के चरण द्वारा, जो प्रत्येक चक्र के परिणाम को तय करने के लिये बहुत कुछ करता है, आगे उत्प्रेरित की जाती है।

–29 दिसम्बर 2015

ग्वालियर में दो दिवसीय कोष कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय कोषालय विभाग द्वारा परिषदों और संस्थान बोर्डों के कोषाध्यक्षों और लेखाकारों के लिए कोष विकास और प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 24 और 25 फरवरी 2018 को ग्वालियर में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कोष विकास की गतिविधियों तथा प्रबंधन, लेखा और रिपोर्टिंग के लिए चुनौतियों के बारे में अपने अनुभवों को साझा करना था। परिषदों और संस्थान बोर्डों के लगभग 35 मित्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने बहाई कोष, प्रभुधर्म की आवश्यकताओं, संस्थानों की भूमिकाओं और दायित्वों पर एक प्रस्तुति दी। इसके बाद गहनता से परामर्श और चर्चा की गई। कोषालय विभाग की ओर से खातों के रखरखाव पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें उल्लेख किया गया कि कैसे परिषदों और प्रशिक्षण संस्थान बोर्डों के बही खातों को बनाए रखना, राष्ट्रीय कोषालय से अनुदान जारी करना, नीतियाँ और प्रक्रियाएँ आदि शामिल थे। तदुपरान्त खातों के रखरखाव में परिषदों के सामने आने वाली समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की गई। सलाहकारों की वित्तीय सहायक और नियंता (कंट्रोलर) विभाग ने बजट और विधि अनुरूप निगरानी रखने पर अपनी अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद चुनौतियों और उनके समाधान पर गहन चर्चा की गई।

प्रत्येक परिषद ने अपने क्षेत्रों से सीख को साझा किया। उन्होंने सहायकों की संख्या साझा की, जो प्रत्येक कोषाध्यक्ष ने नियुक्त किये हैं। सहायकों के साथ काम करने के तरीके साझा किए गए। कुछ क्षेत्रों में कोषाध्यक्ष के सहायकों के लिए आयोजनों के बारे में बताया गया, जहां वे समीक्षा और अध्ययन करेंगे तथा कार्य योजना बनायेंगे। प्रत्येक परिषद ने अपने क्षेत्र में क्लस्टरों की स्थिति साझा की, जहाँ विकास के सघन कार्यक्रम हैं या फिर मील के अन्य पत्थर की ओर विकसित हैं। कई परिषदों ने कोष प्राप्त करना शुरू कर दिया है। परिषदों ने कोषाध्यक्षों के सहायकों को प्रशिक्षण देने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के अपने अनुभव को साझा किया।



ग्वालियर में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी

इस अंक में

दिल्ली में परिषद सचिवों के साथ परामर्श बैठक का आयोजन

नई दिल्ली के बहाई उपासना मन्दिर के प्रांगण में नवनिर्मित शैक्षणिक केन्द्र में 24 और 25 फरवरी, 2018 को परिषद के सचिवों के लिए एक परामर्शीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारत की सभी 19 परिषदों के सचिवों और कार्यकारी सचिवों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। उनके अलावा इस बैठक में सलाहकार श्री राजन सावंत और राष्ट्रीय महासचिव भी उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान उपस्थित परिषद सचिवों के साथ अनेक विषयों पर चर्चा की गई। उपस्थित मित्रों ने अपनी सीख, अनुभवों और चुनौतियों को एक–दूसरे से साझा किया। वर्तमान पाँच वर्षीय योजना के शेष बचे हुए दिनों में अपने लक्ष्यों को पूरा करने पर भी परामर्श किया गया। अन्य विषयों में शामिल थे समुदायसमूहों की गत्यात्मकता, गतिविधियों के चक्र, प्रभुधर्म का संदेश सीधे लोगों के दिलों तक पहुँचाना और समुदाय का आध्यात्मिक स्वास्थ्य। रिर्सोस पर्सन फॉर प्रोपर्टी और एनसीपीएलएम के सचिव ने उपस्थित मित्रों के साथ भौतिक सम्पदा की ज़रूरतों पर भी खुलकर बातें कीं और इस पर भी चर्चा की गई कि किस प्रकार बहाई सम्पदाओं को सुंदर ढंग से रखने में प्रभुधर्म का सम्मान निहित है। मित्रों ने इस बात पर भी चर्चा की कि किस प्रकार सम्वाद स्थापित करने के ढाँचे और उसकी प्रणाली को दुरूस्त किया जाये।

प्रसार और सुगठन का अन्तर्सम्बन्ध, सामाजिक कार्य और समाज में चल रहे सम्वादों में प्रतिभागिता सोशल एक्शन और इंस्टीटयूट फॉर स्टड़ीज इन ग्लोबल प्रोसपेरिटी के कार्यों की प्रस्तुति डेस्क के संयोजक द्वारा की गई। भारत में हुकूकुल्लाह के क्षेत्रीय मंडल के उप–न्यासी ने विस्तार से समझाया कि हुकूक़ को अनुयायियों द्वारा अपने क्षेत्र ही में दिये जाने के काम को परिषदें सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निबाह सकती हैं।

इन दो दिनों की बैठक का सर्वोत्तम फल यह देखने को मिला कि बैठक में उपस्थित मित्रों ने 6 महीने के अंदर 91 पायनीयर खड़े करने का सामूहिक निर्णय लिया जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर समुदायसमूहों को मील के दूसरे पत्थर तक ले जाने में सहयोग प्रदान करेंगे।



दिल्ली के बहाई उपासना मन्दिर के शैक्षणिक केन्द्र में आयोजित परामर्श बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

उत्तरप्रदेश में स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सचिवों की बैठक का आयोजन

उत्तरप्रदेश में लखनऊ के लालबाग बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सचिवों की बैठक का आयोजन 3 और 4 फरवरी 2018 को किया गया। प्रथम सत्र में श्रीमती बी. मोहाजर एवं श्री प्रेम सिंह, क्षेत्रीय बहाई परिषद के सचिव श्री प्रमोद मौर्य एवं सदस्यगण व सहायक मंडल सदस्यगण की उपस्थिति में प्रदेश की विभिन्न स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सचिवों/सदस्यों ने समुदाय के अपेक्षित विकास एवं विश्व शान्ति के लिये स्थानीय सभाओं की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की व पवित्र लेखों का पाठ होता है। दूसरे में प्रशासनिक भाग होता है, जिसमें उच्च संस्थाओं के प्रपत्रों का अध्ययन किया जाता है व सामुदायिक गतिविधियों स्थानीय सभा की कोष की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है व स्थानीय सभा हेतु समुदाय से सुझाव का मूल्यांकन किया जाता है व कोष में दान का विवरण प्रस्तुत किया जाता है।

बैठक में गृहभ्रमण द्वारा मित्रों को सक्रिय करने का स्थानीय सभा सचिव/सदस्यों को सुझाव दिया गया। इस विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुये बहाई मित्रों ने



स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिवों की बैठक के प्रतिभागी

गई, जिसमें स्थानीय सभाओं के सचिवों/सदस्यों को सामूहिक जीवन के ताने बाने को मजबूत करने के लिये बच्चों तथा युवाओं को आध्यात्मिक रूप से सुशिक्षित करने का सुझाव दिया गया।

स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सचिवों/सदस्यों की बैठक को और आध्यात्मिक बनाये जाने के लिये श्री प्रेम सिंह ने सभी मित्रों को प्रार्थनायें कंठस्थ कराईं व उनका सस्वर गायन कराया। बैठक में स्थानीय सभाओं के सचिवों, सदस्यों को सक्रियता प्रदान करने के लिये विश्व न्याय मंदिर के संदेशों को पढ़ा गया व उन पर चर्चा की गयी। समुदाय में मानव अस्तित्व के अपेक्षित विकास के लिये भक्तिपरक बैठकों के आयोजनों पर बल दिया।

इसी तरह 19 दिवसीय सहभोज के बारे में बताया गया कि बहाई माह के प्रथम दिन 19 दिवसीय सहभोज मनाया जाता है, इसके तीन भाग होते हैं – प्रथम आध्यात्मिक भाग जिसमें प्रार्थनायें बताया कि गृहभ्रमण के दौरान जब वे समुदाय में गये तो तमाम पुराने मित्रों से मिले जो काफी समय से किसी कारणवश मिल नहीं सके थे। जो गृहभ्रमण के दौरान हुई भेंट से पुनः सक्रिय और उत्साहित हो गये जिसका सामुदायिक विकास गतिविधियों में प्रशंसनीय सहयोग मिला और समुदाय के बहाई ही नहीं गैर–बहाई मित्र भी प्रभावित हुये जिनका सार्थक प्रभाव हुआ।

उपवास के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा की और इससे संबंधित साहित्य का उपस्थित मित्रों ने उत्साहपूर्वक अध्ययन किया। साथ ही, मित्रों ने गृहभ्रमण हेतु योजना बनाई जिसमें स्थानीय आध्यात्मिक सभा के अधीन आने वाले ग्रामों की गतिविधि केन्द्रों की संख्या व उनके नाम परिवार–घरों की संख्या, भक्तिपरक बैठकों की संख्या, सक्रिय अनुयायियों, शिक्षण दलों में गांव/पड़ोस से जाने वाले प्रतिभागियों तथा गृहभ्रमण की संख्या का आंकलन करने पर भी परामर्श किया गया।

समाचारचित्र



उत्तरप्रदेश के श्री इंद्रेश और ओड़िषा की सुश्री पुष्पिता का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा रायपुर के तत्वावधान में बहाई विधि–विधान के अनुसार 19 जनवरी 2018 को सम्पन्न हुआ। वर–वधू दोनों ही न्यू ऐरा टीचर ट्रेनिंग सेंटर से स्नातक हैं और इंदौर के पास एक शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे हैं। इस विवाह समारोह में परिजन और मित्रों सहित लगभग 70 लोग उपस्थित रहे।



बिहार में मुंगेर क्लस्टर में 19 मित्रों ने रूही पुस्तक–1 का अध्ययन पूर्ण किया। इन मित्रों में से 11 ने अपने घरों में नियमित रूप से भक्तिपरक बैठकें करना आरम्भ कर दिया है।



ओडिशा में भुबनेश्वर में सन् 1984 से स्थापित ब्लासम्स स्कूल एक बहाई स्कूल है, जिसने हाल ही में दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त किए हैं। पहला, ब्लॉसम्स स्कूल को शिक्षा और नेतृत्व में नवीनता प्रदान करने हेतु नादिया मोग्बेलपुर को डॉवंग मेहता फाउंडेशन की ओर से डॉ. आर. एल. भाटिया द्वारा शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार 13 दिसम्बर 2017 को भुबनेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। एक अन्य पुरस्कार, 20 जनवरी 2018 को बंगलूरू में विश्व शिक्षा द्वारा प्रदान किया गया।

चांडिल क्लस्टर में पहली समीक्षा बैठक का आयोजन

झारखण्ड के चांडिल क्लस्टर ने अपनी पहली समीक्षा बैठक का आयोजन 4 फरवरी 2018 को किया। इस समीक्षा बैठक के साथ ही चांडिल क्लस्टर अपने पहले मील के पत्थर को पार करके दूसरे मील के पत्थर पर पहुँच गया है। वर्तमान में यहाँ पर कुल मिलाकर 57 गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिसमें 4 स्टडी सर्कल, 9 किशोर समूह, 9 बच्चों की बहाई कक्षायें और 35 भक्तिपरक बैठकें शामिल हैं। इस क्लस्टर के रुचाप समुदाय में गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं तथा यहाँ पर बहाईयों की संख्या 12 के करीब है और यहाँ पर प्रार्थना सभाओं को देखने के लिए तीन मित्रों के एक दल का गठन किया गया है, जो समय–समय पर मिलकर आपस में परामर्श करते हैं, और योजना बनाते हैं। इस क्लस्टर में बहाउल्लाह के 200वें जन्मोत्सव में करीब 70 आत्माओं ने भाग लिया था। जिसके कारण इस क्लस्टर के विकास में तेजी आयी है।



पहली समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सम्पूर्ण पृथ्वी एक देश है

बहाई समुदाय के सदस्य डॉ. ए. के. मर्चेंट ने 2 फरवरी, 2018 अदिस अबाबा, इथोपिया में अपने संभाषण में बहाई दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए कहा कि बहाई धर्म के संस्थापक बहाउल्लाह के शब्दों में 'सम्पूर्ण पृथ्वी एक देश है और मानवजाति इसके नागरिक'। एक ऐसी कार्यनीति का मूल सिद्धांत जो एक सामूहिक नियति की ओर दुनिया के लोगों को ले जाये उसके प्रति अवश्य ही मानवजाति की एकता का बोध होना चाहिये।

चाहे कितनी बड़ी उथल–पुथल हो जाये, विश्वव्यापी बहाई समुदाय की यह मान्यता है कि जिस काल में मानव अब प्रवेश कर रहा है वह समय हर एक व्यक्ति, संस्था और समुदाय को वह अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा कि वह इस पृथ्वी के भविष्य का निर्माता कहलाने का गौरव प्राप्त कर सके। बहाउल्लाह ने यह कहा है कि "एकता का मंडप–वितान तान दिया गया है; तुम एक–दूसरे को अजनबी नहीं समझो। तुम एक ही वृक्ष के फल हो और एक ही शाखा की पत्तियाँ हो।"



डॉ. ए. के. मर्चेंट संबोधित करते हुए

मध्यप्रदेश में अधिदिवस आयोजन

मध्यप्रदेश में 24 फरवरी की शाम से 1 मार्च 2018 तक की अवधि में मित्रों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ बहाई अधिदिवस को मनाया। इस वर्ष मित्रों द्वारा समुदाय स्तर पर हीं नहीं बल्कि सघन गतिविधि के केंद्रों एवं घरों में यह दिवस मनाया गया। जिन स्थानों पर यह उत्सव मनाया गया, वहाँ पर मित्रों द्वारा खुशी–खुशी अपने घरों में उपस्थित मित्रों के लिये रात्रिभोज की व्यवस्था की गई। उपस्थित मित्रों ने प्रार्थना, गीत, संगीत एवं वक्तव्य के साथ–साथ अधिदिवस के दिनों को पूर्ण किया। भोपाल में यह कार्यक्रम चार अलग–अलग स्थानों एवं इन्दौर, बदवार, ग्वालियर, सुसेरा के साथ–साथ प्रदेश के कई स्थानों पर एक आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया।



भोपाल बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

नवरोज़

मन में भरकर नव उमंग,
एकता–प्रेम की करता खोज।
नवयुग के रथ पर चढ़कर है,
आया अपना बहाई नवरोज़।।

खुशी नई, विश्वास नया है,
आनन्द व उल्लास नया है।
कृपा बहा के आशीषों से,
करो उम्र भर मस्ती–मौज।
नवयुग के रथ पर चढ़कर है,
आया अपना बहाई नवरोज़।।

पाठ पढ़ो प्रभु शिक्षाओं का,
दिव्य गुणों को अपनाओ।
सेवा और आराधना से,
भरो सबके जीवन में ओज।
नवयुग के रथ पर चढ़कर है,
आया अपना बहाई नवरोज़।।

नारी–पुरुष को समान मानकर,
पूर्वाग्रह–कट्टरता त्याग कर।
साम्य बिठा विज्ञान–धर्म में,
करो धर्म की स्वतंत्र खोज।
नवयुग के रथ पर चढ़कर है,
आया अपना बहाई नवरोज़।।

–संदीप कुमार मल्लिक

नवरूज़ की हार्दिक शुभकामनाएँ

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा सभी बहाईयों को नवरूज़ की शुभकामनायें देते हुये यह आशा करती है सभी मित्रगण प्रभुधर्म की सेवा में दुगने उत्साह के साथ निमग्न हों और प्रभु के आशीषों से सराबोर हो जायें।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

देवलाली में दृढ़ीकरण कार्यक्रम का आयोजन

महाराष्ट्र में लगभग 6 महीने पहले नाशिक के पड़ोसी क्षेत्र देवलाली का क्षेत्र शिगवा बहुला की खोज हुई। देवलाली के समुदाय विकास संयोजक ने वहाँ पर गृहभ्रमण कार्यक्रम के दौरान 10 युवाओं को स्टडी सर्कल के लिए आमन्त्रित किया और 49 दिनों में रूही पुस्तक–1, 3 और 5 का अध्ययन पूर्ण किया। शिगवा बहुला पुस्तक–4 के एल्बम का प्रस्तुतीकरण हुआ और उसमें 23 वयस्क मित्रों ने बहाउल्लाह में अपनी आस्था व्यक्त की। इन परिवारों से सम्पर्क बनाये रखने के लिए देवलाली आध्यात्मिक सभा ने प्रथम उन्नीस दिवसीय सहभोज सभा का आयोजन किया, जिसमें 90 से अधिक मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। महाराष्ट्र में



दृढ़ीकरण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

में 5 बच्चों की कक्षा और 5 युवाकिशोर दल शुरू हुए। इसके तुरंत बाद माता–पिताओं के लिए गृहभ्रमण हुआ, जिसमें एक पूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास किया गया। अक्टूबर 2017 में देवलाली में बच्चों की बहाई कक्षा का क्षेत्रीय सम्मेलन हुआ जिसमें गृहभ्रमण के लिए सलाहकार ने मदद की। देवलाली टीम ने कुछ परिवारों को एकत्रित करने की योजना बनाई कुछ 12 परिवारों के 30 से ज्यादा सदस्यों के साथ सलाहकार महोदय द्वारा रूही वार्षिक योजना में परिवारों के दलों के विषय में गहनता से सीख मिली और शिगवा बहुला में उस सीख को लागू करने का प्रयास किया। प्रतिनिधि निर्वाचन के दृढ़ीकरण के लिए परिवारों को एकत्रित किया गया और उन्नीस दिवसीय सहभोज सभा का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में 40 बहाई मित्रों का रूही पुस्तक–2 के अनुसार दृढ़ीकरण हुआ जो कि बहुत उत्कृष्ट अनुभव रहा। इस कार्यक्रम में 72 मित्रों ने प्रतिभागिता दिखाई।

निवेदन

मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें अपने बहाई समाचारपत्र में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

ग्वालियर में भागवत गीता और बहाई धर्म पर अध्ययन सत्र



ग्वालियर के रब्बानी स्कूल के परिसर में 23 से 25 फरवरी, 2018 तक भागवत गीता और बहाई धर्म का अध्ययन हुआ। इस अध्ययन सत्र में दिल्ली, इंदौर, जयपुर, बनारस, पटना और ग्वालियर के प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की। इसका संचालन डॉ. आर. एस. यादव ने किया। भागवत गीता के अध्ययन के साथ योग सत्र और खेल गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

● निधन

श्री थोकचोम रोमियो

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि इम्फाल के श्री थोकचोम रोमियो का निधन 2 फरवरी 2018 को हो गया। वे 55 वर्ष के थे। इम्फाल की स्थानीय सभा ने उनके परिवार के सदस्यों, सहायक मण्डल सदस्यों और स्थानीय आध्यात्मिक सभा के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर श्री रोमियो की आत्मा की प्रगति के लिए 9 फरवरी 2018 को उनके निवास स्थान पर एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया। श्री थोकचोम रोमियो ने सन् 1990 की शुरूआत में बहाउल्लाह में अपनी आस्था व्यक्त की थी। वे प्रभुधर्म का शिक्षण देने के लिए वे हमेशा तत्पर रहते थे। उन्होंने इम्फाल क्लस्टर के कई युवाओं और मणिपुर के बहुत से लोगों को शिक्षण दिया, जो आज बहाउल्लाह के निष्ठावान अनुयायी हैं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्रीमती थिरूवन्गाडन नारायणी

हमें यह सूचित करते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि राष्ट्रीय कार्यालय में कार्यरत सांख्यिकी अधिकारी श्री टी. प्रभाकरण की माताजी श्रीमती थिरूवन्गाडन नारायणी का 20 फरवरी 2018 को केरल के कन्नूर में निधन हो गया। वे 78 वर्ष की थीं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4 बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.3. 2018
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)